



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10]	नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 13, 2012/पौष 23, 1933
No. 10]	NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 13, 2012/PAUSA 23, 1933

पोत परिवहन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2012

सा का.नि 10(अ) —वाणिज्यिक पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 435 यू द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निम्नलिखित नियम वाणिज्यिक पोत परिवहन (भारतीय मात्स्यिकी नौकाओं का पंजीकरण) नियम, 1988 में और संशोधन करने के लिए बनाती है।

- (1) इन नियमों को वाणिज्यिक पोत परिवहन (भारतीय मात्स्यिकी नौकाओं का पंजीकरण) संशोधन नियम, 2012 कहा जाएगा।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. वाणिज्यिक पोत परिवहन (भारतीय मात्स्यिकी नौकाओं का पंजीकरण) नियम, 1988, नियम, 3, उप-नियम (2) के बाद निम्नलिखित उप-नियम जोड़े जाएंगे जो हैं;

"(3) अधिनियम की धारा 435 जी के अंतर्गत विद्यमान भारतीय मात्स्यिकी नौका के पंजीकरण के प्रमाण-पत्र की स्वीकृति के लिए हर आवेदन परिशिोधित आरूप में होगा, यह प्रपत्र IV में विनिर्दिष्ट है जो प्रपत्र I में बनाया जाएगा, किसी शुल्क का भुगतान नहीं किया जाएगा, और यह आवेदन उस भारतीय मात्स्यिकी नौका के पंजीयन पत्र के पंजीकार को किया जाएगा।

(4) उप-नियम (3) के अंतर्गत हर आवेदन के साथ यह होगा।

(ए) प्रपत्र IV में भारतीय मात्स्यिकी नौका के विवरण,

(बी) वाणिज्यिक पोत परिवहन अधिनियम, 1958 की धारा 435 जी की उपधारा या समय-समय पर प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अंतर्गत पहले स्वीकृत पंजीयन का मूल प्रमाण-पत्र"

[फा स एस आर-18020/8/2009-एम जी(पी टी)]

राकेश श्रीवास्तव, सयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी: 7 अक्टूबर 1988 को सा का नि 866 के राजकीय राजपत्र में प्रमुख नियम प्रकाशित कर दिए गए तथा उसके बाद इनमें सा का नि 218, दिनांक 21 अप्रैल, 1994, सा का नि 774 (अ), दिनांक 28 दिसंबर, 1998, सा का नि 448 (अ), दिनांक 24 जून 2009 के अनुसार संशोधन किया गया।

MINISTRY OF SHIPPING

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th January, 2012

G.S.R. 10(E).—In exercise of the powers conferred by Section 435 U of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the “Merchant Shipping (Registration of Indian Fishing Boats) Rules, 1988, namely —

1. (1) These rules may be called the Merchant Shipping (Registration of Indian Fishing Boats) Amendment Rules, 2012.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Merchant Shipping (Registration of Indian Fishing Boats) Rules, 1988, in rule 3, after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely:

“(3) Every application for the grant of certification of registry of an existing Indian fishing boat under section 435G of the Act, in the revised format, as specified in ‘Form IV’ shall be made in Form I, without payment of any fee, to the Registrar of the port of Registry of that Indian fishing boat.

(4) Every application under sub-rule (3) shall be accompanied by—

(a) the particulars of the Indian fishing boat in Form IV:

(b) the original certificate of registry previously granted under sub-section (4) of Section 435G of the Merchant Shipping Act, 1958 or under any other law for the time being in force.”

[F. No. SR-18020/8/2009-MG(Pt)]

RAKESH SRIVASTAVA, Jt. Secy.

Foot Note .—The principal rules were published in the Official Gazette vide G.S.R 866 dated 7th October 1988 and subsequently amended vide G.S.R. 218 dated 21st April, 1994, G.S.R. 774 (E), dated 28th December, 1998, G.S.R 448(E), dated 24th June, 2009.